>

Title: Need to implement a comprehensive policy for the all round development of weavers in Purvanchal region of Uttar Pradesh.

श्री दारा सिंह चौहान : धन्यवाद सभापति जी। आज पूरे देश में बुनकरों की हालत बहुत ही दयनीय तथा शोचनीय है। पूरे देश में बुनकर रहते हैं, वे मेहनतकश हैं और काम करते हैं। चाहे किसी भी प्रदेश के बुनकर हों, वे तबाही के कगार पर हैं। उसमें भी उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में जहां काफी तादाद में टांडा, बनारस, गोरखपुर, फैजाबाद में बुनकर रहते हैं, खासकर मैं जहां से आता हूं मऊ, जो मेरे संसदीय क्षेत्र का मुख्यालय है, बड़े पैमाने पर बुनकर रहते हैं। तबाही का आलम यह है कि उनके विकास के लिए और उनके मुस्तकबिल भविष्य के लिए सदन में कई बार चर्चा हुई है। लेकिन इस सम्बन्ध में भारत सरकार ने अभी तक कुछ नहीं किया है।

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री हरीश रावत): जो पैकेज अनाउंस किया है, उसका भी लाभ लें।

श्री दारा सिंह चौहान : मैं उस पर भी बात करूंगा जो मंत्री जी बता रहे हैं। सरकार इस बात का ढिंढोरा पीटती है कि उसने इतना पैसा दिया है, लेकिन यह सिर्फ घोषणा ही है और कुछ नहीं। मैं सच्चाई बताना चाहता हूं कि जो आपने ढिंढोरा पीटा है, उसका फायदा आम बुनकर, जो गरीब है, उस तक पहुंचने वाला नहीं है। कोई दस प्रतिशत बुनकर जो हथकरघा समिति के नाम पर झोले में लेकर हथकरघा समिति चलाते हैं, उन्हीं को फायदा होगा। बाकी जो 90 प्रतिशत बुनकर हैं, जो पांव से, पैडल मारकर काम करते हैं, उन्हें कोई फायदा होने वाला नहीं है। केवल 10 प्रतिशत जो पुरानी बुनकर हथकरघा की सोसाइटीज हैं जो प्रोफैशनल लोग हैं, जो सोसाइटीज को अपने बेग में लेकर घूमते हैं, कुछ लोग उसका फायदा उठाते हैं। लेकिन जो 90 फीसदी बुनकर है वह आज भी तबाह, लाचार और बेबस है। उन्हें उसका फायदा नहीं मिल रहा है।

सभापति महोदय, मैं आपको बताना चाहूंगा कि गरीब बुनकर को तभी फायदा मिलेगा, जब उन्हें कच्चा माल, धागा सस्ता होकर मिले। तभी जाकर बुनकर को कुछ फायदा मिल सकता है, वरना आपकी घोषणा से कुछ होने वाला नहीं है।

सभापति महोदय : दारा सिंह जी, प्लीज पाइंट पर आ जाइये, क्योंकि हमें हाउस 7 बजे एडजॉर्न करानी है, एक मीटिंग भी 7 बजे स्पीकर महोदया ने बुलाई है तथा और भी 4-5 सदस्य बोलने वाले हैं।

श्री दारा सिंह चौहान : साथ ही धागा कंपनियों को यह हिदायत देनी चाहिए कि हर महीने जो वे दाम बढ़ा रहे हैं वे दाम न बढ़ाएं जाएं। जो बुनकर पहले से लूम चलाता है वह अपने हुनर और दम पर जो जकाट से साड़ी बनाता है, उसका फायदा उसे मिलना चाहिए।

सभापति महोदय, मैं आपसे मांग करता हूं कि आम गरीब बुनकर जो पैडल-लूम पर अपनी कला-हुनर से लकड़ी की जकाट लगाकर साड़ियां बुनते हैं, उन्हें बर्बादी से बचाने के लिए, उनके अस्तित्व को कायम रखने के लिए यह जरूरी है कि बड़ी मिलों में जो लौहे का जकाट लगता है और साड़ी बनती है, उस पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए।

देश में जहां भी बुनकर रहता है, वहां जोन बनाकर बुनकरों द्वारा बना हुआ जो कपड़ा है, उसे देश में बिक्री के साथ-साथ विदेशों में निर्यात की सुविधा उन्हें प्रदान की जाए। देश में जो गरीब बुनकर हैं, उनके बच्चे हैं, उनकी पढ़ाई-लिखाई की भी व्यवस्था की जाए।

MR. CHAIRMAN : Those hon. Members who want to associate with the matter raised by Shri Dara Singh Chauhan may please send their slips to the Table of the House.

श्री हंसराज गं. अहीर,

श्री वीरेन्द्र कश्यप और

श्री अर्जुन राम मेघवाल जी को दारा सिंह चौहान जी के विषय के साथ सम्बद्ध किया जाता है।